

विश्वनाथ-कविराज-विरचितः

साहित्यदर्पणः

मूल, विसृष्टि एवं पदव्याख्यात्मक 'प्रवेश', वद्वानुवाद, रामचरण तर्कवागीश-कृत 'साहित्यदर्पणविवृति'
टीका एवं सम्पादककुक्षु बङ्गला भाषाय विस्तृत व्याख्या 'प्रकाश' टीका सह आद्यस्तु वद्वान्करे मुद्रित

(प्रथम-द्वितीय परिच्छेद)

सम्पादक

सत्यनारायण चक्रवर्ती

एम.ए., पि.ए.च. डि., डि. लिट., काव्य-व्याकरण-उपनिषत्-तीर्थ
प्रफेसर, संस्कृत विभाग, रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय
भूतपूर्व अतिथि अध्यापक, विश्वभारती (शास्त्रिनिकेतन)

'पाणिनीय शब्दशास्त्र', 'धर्मशास्त्रे आश्रयहत्या, कालिदास ओ संस्कृत विषयक अन्यान्य निबन्ध,
'Problems of Transliteration, Ecology and Other Essays on Indology',

'कालिदास', 'चाणक्य-नीति-शास्त्र-समीक्षा', 'त्रयी' 'संस्कृत साहित्येय इतिहास',
'A Study of the Citramimāṃsā of Appaya Dikṣita', प्रभृति ग्रन्थ
प्रणेता एवं 'अभिज्ञान-शकुन्तल', 'शिशुपालवध', 'शास्त्रिशतक', 'चाणक्य-नीति-शास्त्र',
'राजवाहनचरित', 'मित्रलाभ', 'हितोपदेश', 'अष्टाध्यायी' प्रभृति ग्रन्थेय सम्पादक



संस्कृत पुस्तक भाण्डार

७८, विधान सरणी, कलकता-७

- প্রকাশক :
দেবাশিস ভট্টাচার্য
সংস্কৃত পুস্তক ভাণ্ডার
৩৮, বিধান সরণী, কলকাতা-৬

© প্রকাশক

- প্রথম প্রকাশ : মাঘী পঞ্চমী, ১৯৯৮
- দ্বিতীয় প্রকাশ : ১লা ফেব্রুয়ারী, ১৯৯৯
- পরিমার্জিত তৃতীয় সংস্করণ : বইমেলা, ২০০৬
- পরিমার্জিত চতুর্থ সংস্করণ : ২০১০

- মুদ্রক :
ওরিয়েন্ট প্রেস,
কলকাতা-৭০০ ০০৬

—ॐ उ॒त्स॒र्ग ॐ—

श्रद्धेय महकवि डः सत्यव्रत शास्त्री

एव॑

संस्कृत नाट्य गवेषणार पथिकृ॑

डः उषा-र करकमले

सविनय उपहार

—सत्यनारायण

Dedicated to
Professor Mahākavi Dr. Satyavrat Shastri
&
Usha
with warm love & regards

—Satyanarayan

বিষয়সূচী

বিষয়	পৃষ্ঠাঙ্ক
মুখবন্ধ	৭—১৩
ভূমিকা	১৭—৩২
অলঙ্কারশাস্ত্র : প্রারম্ভ থেকে পরিণতি	১৭—২৪
প্রস্থানভেদ	২৫—২৮
বিশ্বনাথ কবিরাজ : পরিচয়	২৮—৩০
আবির্ভাব কাল	৩০
সাহিত্যদর্পণ : বিষয় পরিচয়	৩১—৩২
সাহিত্যদর্পণ : টীকা, ব্যাখ্যা	৩২
মূল গ্রন্থ : 'প্রবেশ', অনুবাদ, 'প্রকাশ' ব্যাখ্যা	১—১৪৮
এবং রামচরণ তর্কবাগীশকৃত 'বিবৃতি' সহ	
প্রথম পরিচ্ছেদ : মঙ্গলাচরণ	১—৪
কাব্যফল	৪—১৩
পূর্বাচার্যদের কাব্যলক্ষণ পর্যালোচনা	১৩—৫০
কাব্যলক্ষণ	৫০—৫৮
দোষস্বরূপ	৫৮—৫৯
গুণাদিস্বরূপ	৫৯—৬১
দ্বিতীয় পরিচ্ছেদ : বাক্যলক্ষণ	৬২—৬৫
মহাবাক্য	৬৬
পদলক্ষণ	৬৭—৭১
অর্থত্রৈবিধ্য এবং তাদের স্বরূপ	৭১—৭২
সংকেত অবধারণ	৭২—৭৮
সংকেতগ্রহ	৭৯—৮৩
লক্ষণাস্বরূপ	৮৩—৯০
লক্ষণাভেদ	৯০—১১৪
ব্যঞ্জনাস্বরূপ	১১৪—১১৭
ব্যঞ্জনার ভেদ	১১৭—১৪৩
তাৎপর্য	১৪৩—১৪৫
নির্বাচিত গ্রন্থপঞ্জী	১৪৬—১৪৮